राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • मंगलवार • 3 जनवरी • 2023

किसान आत्मनिर्भरता पर ाएम को भेंट की मार्गदर्शिका

त्री से भेंट कर किसानों को आत्मनिर्भर बनाने पर र्शिका देते सीएसए के कुलपति।

ुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं ाकी विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह मवार को प्रदेश के सीएम योगी यनाथ से मुलाकात कर किसानों का नंवी व आत्मनिर्भर वनाने को विवि प्रकाशित मार्गदर्शिका भेंट की। र्शिका में किसान उत्पादन संगठन एवं स्वयं सहायता समूह के जरिए किसानों की समृद्धि का मार्ग सुझाया गया है। कुलपति ने मुख्यमंत्री को वताया कि इस प्रकाशित पुस्तक में लघु सीमांत कृषक स्वरोजगार जैसे मुर्गी-मत्स्य व मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, दुग्ध उत्पादन आदि को अपनाकर एकीकृत कृषि प्रणाली द्वारा कृषि को रोजगारपरक वनाया जा सकेगा। उन्होंने वताया कि यह मार्गदर्शिका किसान उत्पादक संगठन व स्वयं सहायता समूहों के गठन, कृषि तकनीकी दक्षता वढ़ाने, गांवों में स्वरोजगार का सृजन करने सहित प्रसार कार्यकर्ताओं व कृषि के लिए उपयोग होगी। कुलपति ने विवि के शिक्षण, शोध व प्रसार गतिविधियों पर भी चर्चा की। विवि प्रवक्ता के अनुसार मुख्यमंत्री ने प्रकाशित पुस्तक व कुलपति द्वारा कराये गये कृषक हितैषी कार्यों की प्रशंसा की।

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद,हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

पौष शुक्ल पक्ष द्वादशी 10.02 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2079

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 1, अंक 131, पृष्ठ 16, मूल्यः 5 रुपये

कानपुर, मंगलवार, 3 जनवरी 2023

www.amritvichar.com

लेकिन दर्शकों का दिल जीता...15

सामंथा की फिल्म शाकुंतलम 17 प

कुलपति ने मुख्यमंत्री को भेंट की मार्गदर्शिका

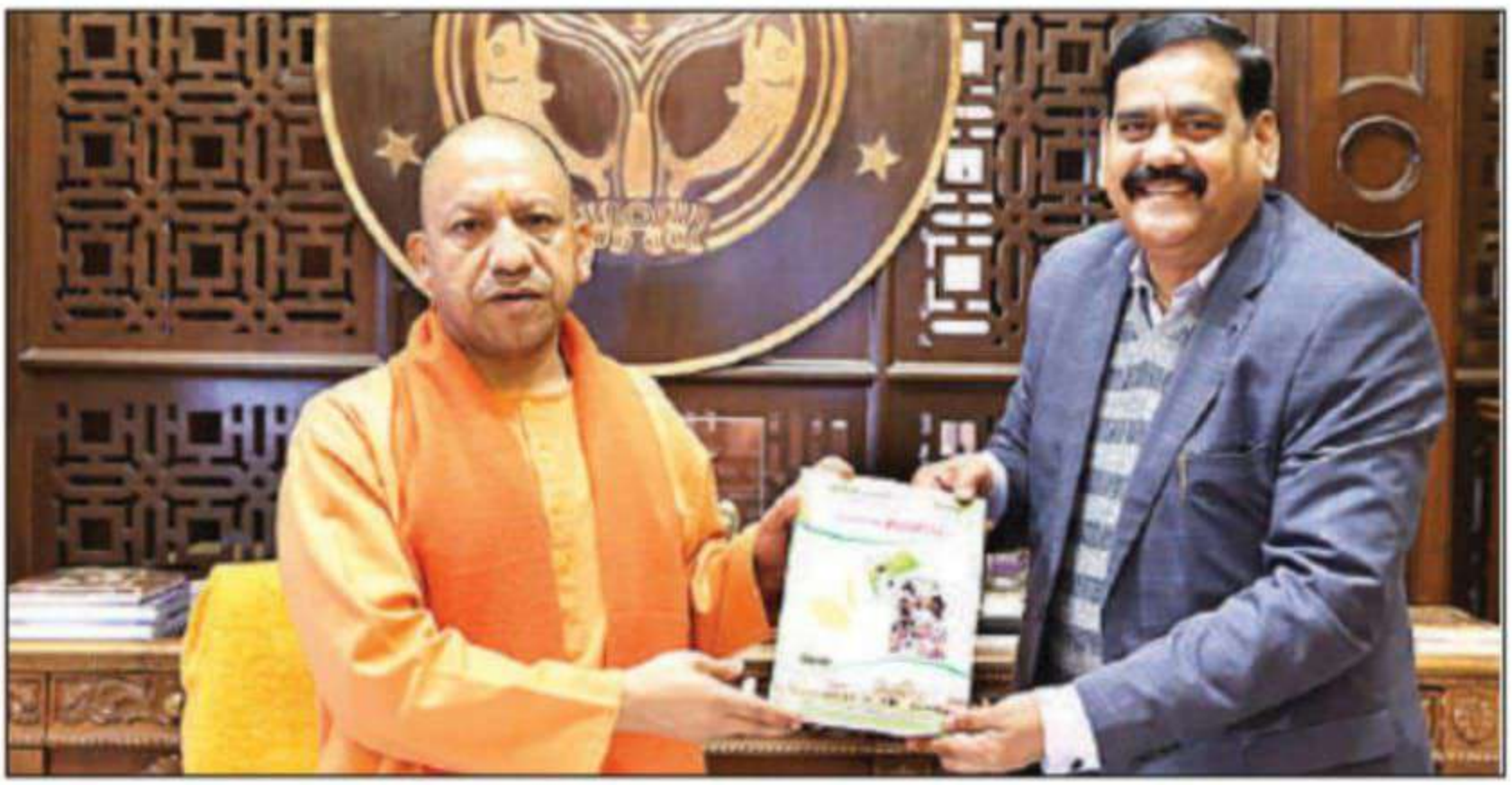

मुख्यमंत्री को मार्गदर्शिका भेंट करते सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह।

अमृत विचार, कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से औपचारिक मुलाकात कर विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषकों को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु किसान उत्पादन संगठन एवं स्वयं सहायता समूह मार्गदर्शिका भेंट की। इस अवसर पर कुलपति ने मा.मुख्यमंत्री जी को बताया कि इस प्रकाशित पुस्तक में प्रदेश के लघु सीमांत कृषक स्वरोजगार जैसे- मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन अपनाकर एकीकृत कृषि प्रणाली द्वारा कृषि रोजगारपरक बनाने में तकनीकी प्रबंधन आधारित जानकारी पा सकेंगे।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

पंजाब व हरियाणा सीएम आवास के पास... 12

कंझावला केस: अमित शाह ने दिल्ली पुलिस से रिपोर्ट... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 83
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
मंगलवार | 03 जनवरी, 2023

सीएसए के कुलपति ने सीएम से की भेंट

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने सोमवार को प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने सीएम को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषकों को स्वावलंबी एवं आत्म निर्भर बनाने के लिए किसान उत्पादन संगठन एवं स्वयं सहायता समूह मार्गदर्शिका भेंट की। उन्होंने बताया कि इस प्रकाशित पुस्तक में प्रदेश के लघु सीमांत कृषक स्वरोजगार जैसे- मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, दुग्ध उत्पादन इत्यादि अपनाकर एकीकृत कृषि प्रणाली द्वारा कृषि को रोजगारपरक बनाने में तकनीकी प्रबंधन आधारित जानकारी पा सकेंगे। उन्होंने सीएम योगी को विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षण, शोध एवं प्रसार गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

पंजाब व हरियाणा सीएम आवास के पास... 12

कंझावला केस: अमित शाह ने दिल्ली पुलिस से रिपोर्ट... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews | janexpresslive | janexpresslive | www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 83
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
मंगलवार | 03 जनवरी, 2023

सीएसए के कुलपति ने सीएम से की भेंट

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह ने सोमवार को प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने सीएम को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषकों को स्वावलंबी एवं आत्म निर्भर बनाने के लिए किसान उत्पादन संगठन एवं स्वयं सहायता समूह मार्गदर्शिका भेंट की। उन्होंने बताया कि इस प्रकाशित पुस्तक में प्रदेश के लघु सीमांत कृषक स्वरोजगार जैसे- मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, दुग्ध उत्पादन इत्यादि अपनाकर एकीकृत कृषि प्रणाली द्वारा कृषि को रोजगारपरक बनाने में तकनीकी प्रबंधन आधारित जानकारी पा सकेंगे। उन्होंने सीएम योगी को विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षण, शोध एवं प्रसार गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

एक नजर में

मुख्यमंत्री को सौंपी किसानों की मार्गदर्शिका

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विज्ञानी विभिन्न जिलों में किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए तकनीक व सह फसल उत्पादन की विधि सिखा रहे हैं। अब तक एक हजार से ज्यादा किसान अपनी आय बढ़ा चुके हैं। सोमवार को कुलपति डा. डीआर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में मिलकर उन्हें किसानों को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने के लिए तैयार की गई मार्गदर्शिका भेंट की। । जासं

हादसे से
की रफ्ता

जासं, कानपुर : कोह
चालकों को सिग्नल वि
समस्या के कारण रेल
रफ्तार घटा दी है। इस
तमाम ट्रेनें सेंट्रल स्टेश
पहुंच रहीं हैं। सबसे
लंबी दूरी की ट्रेनों प
सोमवार को 55 ट्रेनें
पहुंचीं, जिससे यात्रिय
का सामना करना पड़
की तबीयत भी बिगड़

ट्रेनों के संचालन
की भूमिका सबसे
आधार पर ट्रेनें ट्रैक
वर्तमान में कोहरे
संचालन में चालक
हो रही है। रेलवे ने
प्रतिघंटा की रफ्तार
के निर्देश दिए हैं। इ
महाबोधि, कालिंदी,
समेत 55 ट्रेनें 15 मि

किसान गेहूं की फसल में खरपतवार प्रबंधन करें

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दलीपनगर द्वारा किसानों को आज गेहूं फसल में खरपतवारों को नियंत्रण करने के लिए खरपतवारनाशी को वितरित किया गया। फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि भारत में धान के बाद गेहुँ सबसे महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है जिसका देश के खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 35 प्रतिशत का योगदान है। उत्तर प्रदेश में 98 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि में गेहूँ की खेती की जाती है, और प्रदेश की मुख्य खाद्यान्न फसलों में से एक है। खरपतवारों के कारण गेहूं की फसल में 30-45 प्रतिशत की हानि हो सकती है। गेहूँ में खरपतवार जैसे जंगली जई, दूब घास, हिरन खुरी, बथुआ आदि खरपतवारो का प्रकोप होता है। इसी से बचाव हेतु कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर कानपुर देहात की पादप सुरक्षा इकाई अंतर्गत अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन में क्लाडिनोफाप् व मेट्रिब्यूजिन दवा का वितरण 5 गांव के 30 कृषकों को किया गया। दवा के बारे मे बताते हुए डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि यह दवा गेहूँ के चौड़ी पत्ती व पतली पत्ती दोनों प्रकार के खरपतवारों पर प्रभावी है। इसके एक पैकेट 30-30 ग्राम की, 8 पुड़िया होती हैं प्रत्येक पुड़िया एक टंकी यानी 15-18 ली0 पानी में घोल कर खेत पर छिड़काव किया जाना चाहिए। इस दवा का एक पैकेट लगभग 2 बीघा हेतु हेतु पर्याप्त होता है। ग्राम अनूपपुर, सहतावनपुरवा, औरंगाबाद व मझियार के लगभग 30 से अधिक कृषकों के बीच दवा का वितरण किया गया। प्रदर्शन वितरण कार्यक्रम में केंद्र की अध्यक्षा डॉ मिथिलेश वर्मा के साथ केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ अरुण सिंह, डॉ शशिकांत, डॉ विनोद प्रकाश, डॉ पुष्पा देवी व डॉ निमिषा अवस्थी उपस्थित रहे।

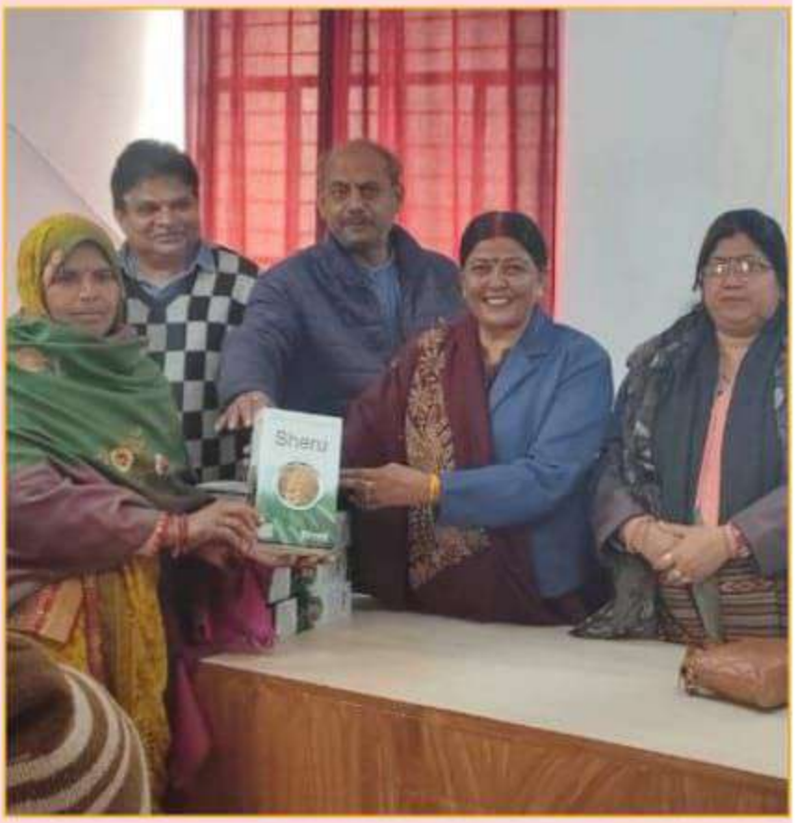

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • मंगलवार • 3 जनवरी • 2023

ग्रपतवार नाशक दवा पाकर खुश हुए किसान

श्वविद्यालय में खरपतवार नाशक दवा लेते किसान। फोटो : एसएनबी

ुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं ाकी विवि की पहल पर किसानों की अन्य फसलों को खरपतवार से होने ुकसान से बचाने के लिए सोमवार को वारीनाशी दवाएं वितरित की गई। विवि धीन संचालित दलीपनगर कृषि विज्ञान के माध्यम से 5 गांवों के 30 किसानों को अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के तहत क्लाडिनोफाप व मेट्रिव्यूजिन दवा उपलब्ध कराया गया।

फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ.अजय कुमार सिंह ने वताया कि खरपतवारों के कारण गेहूं की फसल में 30-40 प्रतिशत तक की हानि हो सकती है। गेहूं में जंगली जई, दूव घास, हिरन खुरी, वथुआ आदि खरपतवारों का प्रकोप होता है। डॉ.अजय कुमार के अनुसार उक्त दवा गेहूं की चौड़ी पत्ती व पतली पत्ती दोनों प्रकार के फसलों में खरपतवारों पर प्रभावी है। इसके एक पैकेट में 30-30 ग्राम की 8 पुड़िया होती है। प्रत्येक

> खरपतवारों से गेहूं की फसल को हो सकती है 30-40 प्रतिशत तक की क्षति

पुड़िया एक टंकी पानी (15-18 लीटर) में घोलकर खेत पर छिड़काव किया जाना चाहिए। इस दवा का एक पैकेट लगभग 2 वीघा हेतु प्रर्याप्त होता है। अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के तहत ग्राम अनूपपुर, सहतावनपुरवा, औरंगावाद व मडियार के किसानों को दिये गये हैं। दवा वितरण कार्यक्रम के मौके पर केन्द्र अध्यक्ष डॉ.मिथिलेश वर्मा के साथ ही सहयोगी वैज्ञानिक डॉ.खलील खान, डॉ.अरुण सिंह, डॉ.शशिकांत, डॉ.विनोद प्रकाश, डॉ.पुष्पा देवी व डॉ.निमिषा अवस्थी उपस्थित रहे।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:310 | देहरादून, सोमवार, 02 जनवरी, 2023 | पृष्ठ:08

गेहूं की फसल में खरपतवार प्रबंधन को वितरित की गई खरपतवारनाशी दवा

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा किसानों को आज गेहूं फसल में खरपतवारों को नियंत्रण करने के लिए खरपतवारनाशी को वितरित किया गया फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि भारत में धान के बाद गेहूं सबसे महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है जिसका देश के खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 35 प्रतिशत का योगदान है उत्तर प्रदेश में 98 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि में गेहूं की खेती की जाती है, और प्रदेश की मुख्य खाद्यान्न फसलों में से एक है खरपतवारों के कारण गेहूं की फसल में 30–45 प्रतिशत की हानि हो सकती है ।

गेहूं में खरपतवार जैसे जंगली जई, दूब घास, हिरन खुरी, बथुआ आदि खरपतवारो का प्रकोप होता है इसी से बचाव हेतु कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर कानपुर देहात की पादप सुरक्षा इकाई अंतर्गत अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन में क्लाडिनोफाप् व मेट्रिब्यूजिन दवा का वितरण 5 गांव के 30 कृषकों को किया गया दवा के बारे मे बताते हुए डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि यह दवा गेहूं के चौड़ी पत्ती व पतली पत्ती दोनों प्रकार के खरपतवारों पर प्रभावी है इसके एक पैकेट 30–30 ग्राम की 8 पुड़िया होती है प्रत्येक पुड़िया एक टंकी यानी 15–18 लीटर पानी में घोल कर खेत पर छिड़काव किया जाना चाहिए इस दवा का एक पैकेट लगभग 2 बीघा हेतु हेतु पर्याप्त होता है। ग्राम अनूपपुर, सहतावनपुरवा, औरंगाबाद व मझियार के लगभग 30 से अधिक कृषकों के बीच दवा का वितरण किया गया प्रदर्शन वितरण कार्यक्रम में केंद्र की अध्यक्षा डॉ निधिलेश वर्मा के साथ केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ अरुण सिंह, डॉ शशिकांत, डॉ विनोद प्रकाश, डॉ पुष्पा देवी व डॉ निमिषा अवस्थी उपस्थित रहे।

खरपतवार प्रबंधन हेतु वितरित की गई खरपतवारनाशी दवा, किसान हुए खुश

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, दलौपनगर द्वारा किसानों को आज गेहूं फसल में खरपतवारों को नियंत्रण करने के लिए खरपतवारनाशी को वितरित किया गया। फसल सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि भारत में धान के बाद गेहूँ सबसे महत्वपूर्ण खाद्यान्न फसल है जिसका देश के खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 35 प्रतिशत का योगदान है। उत्तर प्रदेश में 98 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि में गेहूँ की खेती की जाती है, और प्रदेश की मुख्य खाद्यान्न फसलों में से एक है। खरपतवारों के कारण गेहूं की फसल में 30-45 प्रतिशत की हानि हो सकती है। गेहूँ में खरपतवार जैसे जंगली जई, दूब घास, हिरन खुरी, बथुआ आदि खरपतवारो का प्रकोप होता है। इसी से बचाव हेतु कृषि विज्ञान केंद्र, दलीप नगर कानपुर देहात की पादप सुरक्षा इकाई अंतर्गत अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन में क्लाडिनोफाप् व मेट्रिब्यूजिन दवा का वितरण 5 गांव के 30 कृषकों को किया गया। दवा के बारे मे बताते हुए डॉ अजय कुमार सिंह ने बताया कि यह दवा गेहूँ के चौड़ी पत्ती व पतली पत्ती दोनों प्रकार के खरपतवारों पर प्रभावी है। इसके एक पैकेट 30-30 ग्राम की, 8 पुड़िया होती हैं प्रत्येक पुड़िया एक टंकी यानी 15-18 ली0 पानी में घोल कर खेत पर छिड़काव किया जाना चाहिए। इस दवा का एक पैकेट लगभग 2 बीघा हेतु हेतु पर्याप्त होता है। ग्राम अनूपपुर, सहताबनपुरवा, औरंगाबाद व मझियार के लगभग 30 से अधिक कृषकों के बीच दवा का वितरण किया गया। प्रदर्शन वितरण कार्यक्रम में केंद्र की अध्यक्षा डॉ मिथिलेश वर्मा के साथ केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, डॉ अरुण सिंह, डॉ शशिकांत, डॉ विनोद प्रकाश, डॉ पुष्पा देवी व डॉ निमिषा अवस्थी उपस्थित रहे।